बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-548
25/08/2026

बिहार की एक करोड़ महिलाओं को अगले तीन वर्षों में सीधे रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य :– मुख्यमंत्री

मुख्य बिंदु :–

- महिलाओं और बहनों की प्रगति से ही विकसित बिहार और समृद्ध बिहार का संकल्प पूरा होगा।
- महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और स्वास्थ्य सुरक्षा को नई गति, मुख्यमंत्री ने 'सुधा सखी', महिला संचालित पशु औषधि केंद्र एवं 'अनीमिया मुक्त बिहार' अभियान का किया शुभारंभ।
- 'अनीमिया मुक्त बिहार' विशेष अभियान 25 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के माध्यम से राज्य में एनीमिया की रोकथाम, जांच, उपचार एवं जागरूकता को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा। अभियान के तहत लगभग 1 करोड़ 20 लाख 82 हजार 500 लाभार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की जो महिलाएं अंतरजातीय विवाह करती हैं, उन्हें बिहार सरकार की ओर से अब सवा लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी और केन्द्र सरकार की तरफ से भी इस संबंध में सवा लाख रूपये की सहायता दी जा रही है यानी उन्हें कुल ढ़ाई लाख रूपये की सहायता मिलेगी।
- प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रारंभिक परीक्षा उतीर्ण होने पर सभी वर्ग की छात्राओं को 30 हजार रूपये से एक लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।

पटना, 25 अगस्त 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद सभागार में रक्षाबंधन के पूर्व आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को रोजगार और स्वास्थ्य से जोड़ने के लिए तीन दिवसीय विशेष अभियान की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगले तीन वर्षों में बिहार की एक करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। 25, 26 और 27 अगस्त तक चलनेवाले इस विशेष अभियान में स्वास्थ्य विभाग, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग एवं अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का लाभ महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की समृद्धि का रास्ता महिलाओं के सशक्तीकरण से होकर जाता है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 के विधानसभा चुनाव से

पहले एक करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ा जाए। जीविका से जुड़ी करीब 1.81 करोड़ महिलाओं और 13 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का काम लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए एनीमिया मुक्त बिहार अभियान भी शुरू किया गया है। अभियान के तहत बिहार में बच्चों, महिलाओं और विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं की एनीमिया की जांच की जाएगी तथा जरूरत के अनुसार उनका उपचार और दवा उपलब्ध कराई जाएगी। बड़ी संख्या में महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया जच्चा–बच्चा दोनों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। मुख्यमंत्री ने 'अनीमिया मुक्त बिहार' विशेष अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 25 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के माध्यम से राज्य में एनीमिया की रोकथाम, जांच, उपचार एवं जागरूकता को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा। अभियान के तहत लगभग 1 करोड़ 20 लाख 82 हजार 500 लाभार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीबी उन्मूलन अभियान के तहत भी बड़ी संख्या में लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। अब स्वास्थ्य सेवाओं को जिला स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। जिलों में 36 तरह के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे लोगों को हर छोटी–बड़ी स्वास्थ्य सुविधा के लिए पटना आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने पशुपालन एवं दुग्ध क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की घोषणा करते हुए कहा कि वर्तमान में करीब 12 लाख किसान दुग्ध उत्पादन से जुड़े हैं। इस संख्या को बढ़ाकर 50 लाख से अधिक करने का लक्ष्य है। महिलाओं को सुधा सखी, जीविका सुधा बिक्री केंद्र तथा दूध संग्रहण केंद्रों से जोड़कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की करीब 70 प्रतिशत भागीदारी है। बिहार में इसे बढ़ाकर 80 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत सुधा बिक्री केंद्र खोलनेवाली महिलाओं को दूसरी और तीसरी किश्त मिलाकर करीब 60 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। सभी पंचायतों में एक सुधा बिक्री केंद्र खोलने के लिए दीदी का चयन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। भविष्य में इसे गांवों तक विस्तार देने की योजना है। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा एवं दवा की सुविधा को गांवों के करीब पहुंचाने के लिए राज्य के सभी 534 प्रखंडों में पशु औषधि बिक्री केंद्र खोलने का अभियान भी शुरू किया गया है।

मुख्यमंत्री ने एक अन्य महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की जो महिलाएं अंतरजातीय विवाह करती हैं, उन्हें बिहार सरकार की ओर से अब सवा लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी और केन्द्र सरकार की तरफ से भी इस संबंध में सवा लाख रूपये की सहायता दी जा रही है यानी उन्हें कुल ढ़ाई लाख रूपये की सहायता मिलेगी। इस संबंध में निर्णय आज से लागू करने की दिशा में कदम उठाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रारंभिक परीक्षा उतीर्ण होने पर सभी वर्ग की छात्राओं को 30 हजार रूपये से एक लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं को पंचायत और नगर निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। आज राज्य में करीब 59–60 प्रतिशत महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित होकर आ रही हैं। यह महिला सशक्तीकरण की दिशा में बिहार की बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 में 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था। सरकार ने इसके मुकाबले करीब 12 लाख सरकारी नौकरियां देने और लगभग 51 लाख लोगों को रोजगार से जोड़ने का काम किया है। अब प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के मार्गदर्शन में सरकार ने एक करोड़ लोगों को सीधे सरकारी नौकरी और रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित

किया है। बिहार की महिलाओं को रोजगार से जोड़ना इस लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिला सशक्तीकरण को समृद्ध बिहार की सबसे बड़ी शक्ति बनाकर नए बिहार का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए विद्यार्थी सहयोग शिविर की शुरुआत की है। ऑनलाइन व्यवस्था पहले ही शुरू की जा चुकी है, जबकि अब शिविर के माध्यम से छात्रों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। हॉस्टल, छात्रावास, स्कूल, कॉलेज सहित शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सहयोग पोर्टल के माध्यम से अब तक करीब 6.46 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 96 प्रतिशत आवेदनों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि लोगों की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान हो। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प और पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार के सपने को साकार करने के लिए महिलाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी बहनों से आह्वान किया कि वे आगे आएं और रोजगार, स्वास्थ्य तथा सामाजिक विकास के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मुख्यमंत्री ने 'सुधा सखी' प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। जीविका–सुधा बिक्री केंद्रों के आवंटन–पत्र वितरित किए गए। महिलाओं द्वारा संचालित पशु औषधि बिक्री केंद्रों के लिए चयनित महिलाओं को चयन–पत्र प्रदान किए गए। 'सुधा' से संबंधित कार्यक्रम के तहत गठित दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के निबंधन प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। मिथिला हस्तकला को–ऑपरेटिव सोसायटी की घोषणा एवं नवनियुक्त अध्यक्ष/सदस्यों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। 'सुधा सखी' के माध्यम से महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर उनके आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया जायेगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मिथिला हस्तकला को–ऑपरेटिव सोसाईटी की घोषणा एवं नवनियुक्त अध्यक्ष/सदस्यों को प्रमाण–पत्र वितरित किया। पद्मश्री दुलारी देवी (अध्यक्ष), पद्मश्री शांति देवी (सह अध्यक्ष) और पद्मश्री शिवम पासवान (सह अध्यक्ष) को पंजीकरण प्रमाण पत्र सौंपा गया। श्रीमती रानी झा सदस्य बनाई गईं।

रक्षाबंधन के अवसर पर जीविका दीदी, सुधा सखी और दुग्ध उत्पादक महिलाओं ने मुख्यमंत्री को राखी बांधकर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री ने डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के अन्तर्गत सुधा स्टॉलों का निरीक्षण किया और उत्पादों के संबंध में जानकारी ली।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती श्वेता गुप्ता, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री श्री नंदकिशोर राम, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव श्री शीर्षत कपिल अशोक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव श्री संदीप कुमार आर0 पुड्डलकट्टी, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव और जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री हिमांशु शर्मा सहित अन्य पदाधिकारीगण, जीविका दीदी, सुधा सखी दीदी एवं अन्य लाभुक उपस्थित थीं।

*****